शोषयित्वा पुनः पुनः ॥ ३३ ॥ मत्स्याः शकृता स्पृष्ट्वा करीषे तानि निक्षिपेत् सिक्तानि करकाम्भोभि (S करभांडाद्भि) रेकेनाक्षा न संशयः ॥ ३४ ॥ उत्पलानि सुगंधीनि (A सुगंधानि) भवंतीति न संशयः ॥—The number of the Chapter in C is 51, in A, 54, in B, D, N 55, in S om.

CHAPTER LVI.

2. D विभूषता—4. A, S, N सरस्सु.—C, A, S कल्हार.—C वीथी, E वीथि.—D, E सफरी.—7. A द्रुमोत्तंसाः, E द्रुमोत्तानाः—C in the text अत्युच्चतम, afterwards अत्युच्च, E अभ्युच्चित.—8. A नद, N नदि.—E वसंते for रमंते.—D पुरेषु न्यायवत्सु च.—10. C in the text चतुःषष्ट, but after as the others.—C तु for च.—All but A, S तस्मिन् for तत्र.—11. All but A, S तस्य for यस्य.—A, S ह्रतीयांशः—C मृता for भवेत्.—12. E प्रशस्यते for समंततः—13. E विस्तीर्णाः शाखा°.—14. A, S शाखाश्चतु.—15. All but A, S विहगश्री°.—S श्रीहचैः—S, N प्रथमे.—D, N चापि शोभयेत्.—16. D, N, E ह्रतीयेंऽशस्य.—17. C, B मंदिर.—A, S, and once C, कैलाश.—A निमान.—A हंसः for छंद.—D, N, E गरुडा.—18. D हषा.—20. A, S, N षडस्रि, B, D षडस्रिर्, E षडश्रो.—B, D भूमिर् for भौमो.—21. All but C कैलाशो.—22. All but C द्वात्रिंशत्.—S, D, N E षोडशांशयुतः—23. C समान् for श्यान्.—E तु for च.—A, S तस्याः—24. E चंशैः for चंडैः—C तु for च.—All but C विंशतिभिः—25. D, N, E समच्छ्रितो for समंततो, C notices a v. r. षोडशहस्तास्तु? विस्तारो मूल्यात्.—E मूले.—E वडभी.—27. A, S द्वारैश्चतुर्भिर्.—28. A युतश्च चतुरः, S युताश्च चतुरस्राः– 30. E एतद् for एकं.—D, E पालो—31. C hesitates whether to r. संसृशत्प्रतिमया or प्रति मया, E has the same.—The number of the Chapter in C, E is 52, in A, S 54, in B, D, N 56.

CHAPTER LVII.

1. D, N च कपित्थं.—C, N शल्मल्याः—D बीजंच, N बीजानि त्रि.—C, A, E सल्ल°; C °कानां.—All but S, E बंधन for धन्वन°.—D, N दल्का.—3. All but C, E गुग्गुल.—A कुंदरुक, C, S कुंदुरुक, D, N कुंदरुक, E कुंदरूप.—5. D कुंदुरु.—A, S गग्गुल.—D धूप.—D, N कपिक.—C नागफलनिंब, E नागफलमिश्र, C notices the r. of the others.—A मांजिष्ठाः, S मांजिष्ठा.—6. All but C रस only once.—A आनल for आमल.—A, S संयोज्यः for कार्येषु. —7. C चैव, E तु for च.—C वज्रतलो.—N सिंसक.—A कंसस्य, D, E कांस्यस्य.—S रीतिकाभागाः—D मयगदितो.—The title in C is वज्रलेपलक्षणं—The number of the Ch. in C is 53, in A 56, in B, D, N 57, in S, E om.